ये अव्यक्त इशारे

सदा हर्षित रहने के लिए अपनी नेचर को सरल बनाओ, सहनशील बनो

18-06-2026

जैसे कोई की विशेष नेचर होती है, उस नेचर के वश न चाहते भी चलते रहते हैं। कहते हैं चाहती नहीं हूँ लेकिन मेरी यह नचेर है। ऐसे आप बच्चों की सरल नेचर हो जो सबको अनुभव हो कि यह सहज योगी, स्वतः योगी हैं। क्या करूँ, कैसे योग लगाऊं... यह बातें खत्म। हैं ही सदा सहयोगी अर्थात् योगी। इसी एक बात को नेचर और नेचुरल करने से सभी सबजेक्ट में परफेक्ट हो जायेंगे।

To remain constantly cheerful, be easy-natured and tolerant.

Some souls have particular types of nature and they continue to move along with that nature even against their conscious wish. They say: I don't want to do it, but that is my nature. Similarly, you children should have such easy and simple natures that everyone experiences you to be easy and natural yogis. What can I do? How can I have yoga? All those things finish. You are constantly co-operative, that is, yogi. By making this one aspect your natural nature, you will become perfect in all subjects.